

6/8/19

पत्रावली पेश हुई। उक्त पक्ष वाली उपस्थित।
 कमील सं 1 दीपारा उपस्थित। रोज़गार
 सं 1 के समक उनके बेटे, जो उनके साम रखा
 है से नामील होकर प्राप्त हुए हैं लिखना इसे
 समक नामील में शुभार किया जाता है रोज़गार
 सं 1, सं 5/4 पर समक की समक नामील
 है जो रजिस्ट्री A/D से / व्यक्ति: नामील से
 रिपोर्ट होकर है। एकेसी समक समक नामील
 पि नी रोज़गार सं 1, सं 5/4 अनुपस्थित है
 हमलिये उनके बिना एकरना कारवाही की जाती है।

(वकील कमील सं 2)
(कमील सं 1)



उक्त पक्ष की वरदा हुनी जरी। उक्त
 पक्ष के उपस्थित पक्षकार। परिशिष्ट की भी व्यक्तिगत
 रूप से हुना गया। कमीलवादी के लिए है हुए जो
 विभाजन से पक्षकारों में से कुछ का वरदा उपस्थित
 ने रहा है। दीपारा की रहवासी राणी उनके प्रदत्त
 शक्ति में है बाहर होकर दीपारा वीरद के सिमें
 में आ रही है। उक्त पक्ष एक वरदा की स्वीकार कर
 रहे हैं। एक दृष्टि से विभाजन उत्तरव सही एवं
 सटीक नहीं है। वह पक्षकारों के एक-हीके अनुसार

(वकील सं 2 + 3)
 दिनांक

कबले की शूचि के अनुक्रम होगे चाहिए। उनप
 पक्ष द्वारा न्यायालय को बताने नजरी तक्शे
 के कटपाट प्रत्येक पक्ष का कबजा जिन रूप में है
 इसी अनुक्रम विभाजक किया जाना स्वीकार किया।
 जौत विभाजक के वक्त रास्ते का भी प्रभाव बालोचन
 निर्णय में प्रस्तुतित विभाजक अत्राव के तहत प्रकथन
 नहीं रहा गया है लिहाजा विभाजक अत्राव सही नहीं
 होके ते अमान किया जाता न्यायोचित है। रास्ते
 की शूचि सभी प्रकारों के लक्षणों एवं-हिस्से के
 अनुक्रम में सामंजस्य रूप है सभी जमीनी भी
 कावचना है। इस पक्ष द्वारा प्रकट विवेक गए
 नवीनों एवं रास्ते के प्रकथन का सब जगह पर
 भी तदप्रति ही है जिसे स्वीकार करना न्यायोचित
 है। विभाजक एवं प्रकार ही कि नीमाराज की
 हाणी इसके एवं-हिस्से में ही ही जावे।
 दीपाराज के एवं-हिस्से वाली जितनी शूचि
 नीमाराज के हिस्से में वाली जावे उतनी उतने
 हिस्से में से दीपाराज का मिल जावे। शेष 2



पक्ष का कबजा वास्तव में ही होना
 स्वीकार किया गया। तीन पक्षों की शूचि 2-15
 दीया हिस्से में है जिनमें है प्रत्येक के हिस्से की
 01 किंवा शूचि तथा शेष दीपाराज वर्गों के पक्ष
 की 10-14 वीं शूचि में है 3 किंवा शूचि
 लेते हुए कुल 6 किंवा शूचि सामंजस्य
 रूप से रास्ते के लिए रखी गई है।
 एक दृष्टि से कर्तव्यनिष्ठ निर्णय प्रकथित करके
 सूचित होके से प्रभावत सब जगह मौजूद नहीं
 है। विभाजक अत्राव उपरोक्तानुसार
 नये विवेक से तैयार कर "परिशिष्ट 3"
 के रूप में पत्रावली में रखा गया है जो
 एक निर्णय का अन्तिम हिस्सा रहेगा।
 अपील आदेश रूप से स्वीकार की जाती है।
 राजराज अपील प्राधिकारी P.T.O.
 बाइवर

जारी हुए

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

अतः अपीलकर्ता की अपील विरुद्ध सभ्य नहीं होने से खारिज का
प्रकार में इजाजत हुए उक्त पक्ष व साक्ष्य बिना
जए बिना-विचार एवं इन्की तहसील के सदस्य में
ग्राम सिवाना से जेते 6-नं० 1242 रकबा 18.19 बीघा
वा 8 लगान 12.32 का विभाजित अथवा विभाजित
प्रकार से किया जाता है-


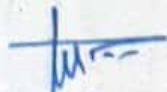
क्रमांक	नाम (जातेदार व वालेदार)	ख. नं०	रकबा (बीघा)	सिद्धि	लगान (र०)
01	नेना तारा सावल कालू पि० मोहराम काँठ पुणेरी सा-देह जातेदार रहन SRTJ ADM सिवाना	1242	2.14	बी.क.	1.75
02	भीमा बल्लू बोता काँठ पुणेरी सा-देह जातेदार रहन SRTJ AD B सिवाना	1242	2.14	बी.क.	1.75
03	भीकाराम बल्लू चतरींग काँठ पुणेरी सा-देह जातेदार	1242	2.14	बी.क.	1.75
04	दीपाराम जेठाराम पि० मानाराम हि० 7/2 लुंखडेवी पत्नी दीपाराम कुकीदेवी पत्नी जेठाराम काशीदेवी पत्नी आधुराम हि० 7/2 काँठ पुणेरी सा-देह जातेदार रहन SRTJ AD B सिवाना में दीपाराम जेठाराम आधुराम का हिस्सा	1242	10.11	बी.क.	6.58
05	नेना तारा सावल कालू पि० मोहराम 7/ दीपाराम जेठाराम आधुराम पि० मानाराम 7/ लुंखडेवी पत्नी दीपाराम कुकीदेवी पत्नी जेठाराम काशीदेवी पत्नी आधुराम हि० 7/2 भीमा बल्लू बोता 7/ भीमाबल्लू चतरींग 7/ काँठ पुणेरी सा-देह जातेदार रहन SRTJ ADM सिवाना में दीपाराम आधुराम भीमा जेठाराम का हिस्सा	1242	0.06	बी.क.	0.49



राजस्व अपील प्राधिकारी
बाड़मेर

प्रयोगकर्ता द्वारा हिस्सा बंटने से लगे "परिशिष्ट क" में दर्शित
भूदान रहेगा। तहसीलदार सिवाना उपरोक्त भूदान राजस्व
रिपोर्ट में ऊपर दर्शाए गए बट्टा नंबर देने हुए पुरखी
तहसील को। खर्चा अपीलकर्ता स्वयं-स्वयं करे।

P.T.O

<p>तारीख हुक्म</p>	<p>हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर अहकाम हुक्म को में जारी</p>
	<p>निर्दिष्ट करे हुजलास हुनादा जमा । पत्रावली जैतल शुभा होकर नकर के काम हो । बाद तन्माल दाखिल दफ्तर हो ।</p> <p style="text-align: right;">  राजस्व अपील प्राधिकारी बाड़मेर </p>	

